

बड़ी खबर 20 साल का अनुभव! के अमति कुमार ने खोली सरकारी योजनाओं की पोल? ...तुरंत पढ़ें और जानें सच!

नीचे इस वषिय से जुड़ी पूरी और सटीक जानकारी दी गई है। इसे ध्यान से पढ़ें:

पत्रकारिता जगत में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो सिर्फ खबर नहीं लिखते, बल्कि विश्वसनीयता की एक मजबूत नींव भी तैयार करते हैं। नवभारत टाइम्स (डिजिटल)के असिस्टेंट एडिटर और सीनियर जर्नलिस्ट अमति कुमार उन्हीं में से एक हैं। अपने दो दशक से भी ज्यादा के शानदार करियर में, अमति कुमार ने हमेशा आम जनता तक सही और सटीक जानकारी पहुंचाने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया है। विशेष रूप से सरकारी योजनाओं, बिहार-झारखंड और राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण राज्यों से जुड़ी खबरों पर उनकी गहरी पकड़ और सरल भाषा शैली उन्हें लाखों पाठकों के बीच एक भरोसेमंद चेहरा बनाती है। आज हम उनके सफर, उनकी पत्रकारिता के सिद्धांतों और उस खास अंदाज पर बात करेंगे, जिससे वह हर खबर को एक नया आयाम देते हैं। क्या आप जानते हैं कि कैसे एक पत्रकार की मेहनत आपके जीवन में बदलाव ला सकती है? आइए, इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

मुख्य अपडेट्स

अमति कुमार नवभारत टाइम्स डिजिटल में जनवरी, 2025 से जुड़े हैं और सरकारी योजनाओं व क्षेत्रीय खबरों पर काम कर रहे हैं।

उनके 20 साल के करियर में अमर उजाला, राजस्थान पत्रिका, दैनिक हिंदुस्तान जैसे प्रमुख अखबारों और 9 भारत वर्ष, न्यूज-24 जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने का अनुभव शामिल है।

वे बिहार, झारखंड और राजस्थान से जुड़ी सियासी नब्ज और आम लोगों की जरूरतों से संबंधित खबरें बना सनसनी फैलाए पाठकों तक पहुंचाते हैं।

उनकी प्राथमिकता भारत सरकार और राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी हर जानकारी को सटीक फैक्ट्स के साथ रीडर्स तक पहुंचाना है।

के भरोसेमंद चेहरे, अमति कुमार: 20 साल का बेमसाल पत्रकारिता का सफर!

जब बात सटीक पत्रकारिता की आती है, तो अमति कुमार का नाम उन चुनदा पत्रकारों में शुमार होता है, जिन्होंने अपने काम से एक अलग पहचान बनाई है। नवभारत टाइम्स डिजिटल में असिस्टेंट एडिटर के पद पर कार्यरत अमति कुमार, जनवरी, 2025 से इस टीम का हिस्सा हैं। लेकिन उनका पत्रकारिता का सफर इससे कहीं लंबा और गहरा है। 20 साल से भी अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने प्रिंट से लेकर डिजिटल मीडिया तक, हर मंच पर अपनी छाप छोड़ी है। उनका मुख्य फोकस सरकारी योजनाएं, बिहार-झारखंड और राजस्थान से संबंधित खबरों पर रहता है, जहां वे तथ्यों पर आधारित और सरल भाषा में लेख तैयार करते हैं, ताकि आम पाठक आसानी से महत्वपूर्ण जानकारी समझ सकें। उनका मानना है कि खबरें ऐसी हो जो पाठकों के लिए काम की जानकारी बना बढ़ा-चढ़ाकर पेश करें।

पत्रकारिता का आरंभ: खेल जगत से शुरू हुआ सफर (सर्तिंबर, 2006)

अमति कुमारने अपने पत्रकारिता करियर की शुरुआतसर्तिंबर, 2006में खेल जगत की रपिर्गि से की। यह एक ऐसा क्षेत्र था, जहां हर खबर में जोश और उत्साह होता है। इस शुरुआती अनुभव ने उन्हें खबरों को गहराई से समझने और उसे आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने की कला सिखाई। इसके बाद, उनका सफर देश के कई प्रतिष्ठित अखबारों जैसेअमर उजाला,राजस्थान पत्रिका,दैनिक हिंदुस्तान,दैनिक जागरण,नई दुनिया,जनसत्ताऔरहरभूमतिक फैला। इन संस्थानों में काम करते हुए उन्होंने अपनी स्किल्स को और नखारा और वभिनिर्न बीट्स पर रपिर्गि का अनुभव प्राप्त किया। यह अनुभव उन्हें एक बहुमुखी पत्रकार बनाने में सहायक रहा।

डजिटल क्रांति और अमति कुमार का योगदान (2019 से अब तक)

2019में,अमति कुमारनेअमर उजालाके साथ डजिटल पत्रकारिता की दुनिया में कदम रखा। यह वह समय था जब पारंपरिक मीडिया तेजी से डजिटल की ओर बढ़ रहा था। डजिटल प्लेटफॉर्म पर उन्होंनेनेशनल और इंटरनेशनल खबरोंपर इन-डेपथ काम किया। उनका यह सफर यहीं नहीं रुका, बल्कि आगे चलकर वे9 भारतवर्षऔरन्यूज-24जैसी प्रमुख न्यूज चैनलों के डजिटल वगि का हिस्सा बने, जहां उन्होंने न्यूज टीम को लीड करने की जिम्मेदारी भी संभाली। डजिटल माध्यम की तेज गति और व्यापक पहुंच को समझते हुए, उन्होंने न केवल ब्रेकिंग न्यूज बल्किविल्यू एडेड आर्टिकल्स,इन्फ्रोग्राफिक्सऔर वशिष दनिों के लिए कंटेंट तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना है किडजिटल स्पेस में पाठक को न केवल खबर चाहिए, बल्कि उसका संदर्भ और आसान वशि्लेषण भी चाहिए।

सरकारी योजनाओं के वशिषज्ज: हर सवाल का तथ्यात्मक जवाब

अमति कुमारकी पत्रकारिता का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू उनकीसरकारी योजनाओंपर वशिषज्जता है। उनकी प्राथमिकता हमेशा यह रही है किभारत सरकारऔरराज्य सरकारोंद्वारा चलाई जा रहीकल्याणकारी योजनाओंसे जुड़े हर सवाल का जवाब, तथ्यों के आधार पर, रीडर्स तक पहुंचाया जाए। चाहे वह किसी योजना कालेटेस्ट अपडेटहो,आवेदन प्रक्रियाहो, यापात्रता मानदंड, वे हर पहलू को सरलता से समझाते हैं। वे जानते हैं किऐसी जानकारी आम लोगों के लिए कतिनी महत्वपूर्ण होती है, और यही कारण है किवे किसी भी खबर को बिना वेरिफाई किए यूजर तक नहीं जाने देते। खबरों के लिए वह हमेशाऑथेंटिक सोर्सपर ही भरोसा करते हैं। यदिआपसरकारी योजना या से जुड़ी जानकारी तलाश रहे हैं, तो अमति कुमार के लेख आपकी पहली पसंद होने चाहिए।

बिहार, झारखंड और राजस्थान: क्षेत्रीय खबरों के बेताज बादशाह

अमति कुमारका एक और मजबूत स्तंभराजस्थान, बिहार और झारखंडजैसे महत्वपूर्ण राज्यों से जुड़ी खबरों पर उनकी पकड़ है। इन राज्यों कीसियासी नब्जको टटोलने के साथ-साथ, वे आम लोगों की जरूरत की खबरों को भी प्राथमिकता देते हैं। उनका फोकस इन राज्यों से जुड़ी खबरें बिना सनसनी फैलाए पाठकों तक पहुंचाने पर है। चाहेबिहार विधानसभा चुनावहो,झारखंड के विकास कार्यहो, याराजस्थान की नई योजनाएं (राजस्थान खबर 2026), अमति कुमार का वशि्लेषण हमेशा गहरा और संतुलित होता है। वे इन क्षेत्रों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक गतिशीलता को बखूबी समझते हैं और उसे अपने लेखों में साफ-साफ दर्शाते हैं। उनकी रपिर्गि न केवल सूचनाप्रद होती है बल्किपाठकों को इन राज्यों की जमीनी हकीकत से भी रूबरू

कराती है।

कवर किए गए प्रमुख इवेंट्स: एक झलक

अपने करियर के दौरान, अमति कुमारको कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण इवेंट्स में रिपोर्टिंग करने का मौका मिला, जिसने उनकी पत्रकारिता को और भी समृद्ध किया। इनमें कॉमनवेल्थ गेम्स 2010, क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 और बैडमिंटन ओपन जैसे बड़े खेल आयोजन शामिल हैं। खेल पत्रकारिता से उन्होंने जिस बारीकी से विश्लेषण करना सीखा, वह उनके बाद के करियर में भी उपयोगी साबित हुआ। इसके अलावा, उन्होंने देश-विदेश की कई बड़ी खबरों को कवर किया, जिनमें अयोध्या राम मंदिर फैसला, लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव (विशेषकर बिहार और झारखंड विधानसभा चुनाव), बजट सत्र और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण इवेंट्स शामिल हैं। इन इवेंट्स की कवरेज ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीति तथा सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ दी।

शिक्षा और पत्रकारिता का जुनून: दिल्ली से भोपाल तक का सफर

अमति कुमारकी शैक्षिक पृष्ठभूमि भी उनकी पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को दर्शाती है। देश की राजधानी दिल्ली में जन्मे और पले-बढ़े अमति कुमारने से अपनी 10वीं और 12वीं की शिक्षा पूरी की। इसके बाद, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएकी डिग्री हासिल की और वहीं से हिंदी भाषा में..किया। हिंदी भाषा पर उनकी यह पकड़ उन्हें जटिल विषयों को भी सरल भाषा में समझाने में मदद करती है, जो उनके लेखों की एक बड़ी खूबी है। पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर संवारने की अपनी ख्वाहिश को पूरा करने के लिए, उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी यूनिवर्सिटी, भोपाल से पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा किया। यह कदम उनके पत्रकारिता के प्रति गहरे समर्पण को दिखाता है, जहां उन्होंने सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल भी सीखे।

एक स्थिर लक्ष्य: आमजन के लिए उपयोगी खबरे

अमति कुमारके करियर में भूमिकाएं तो कई बदलीं, लेकिन एक चीज हमेशा स्थिर रही आमजन के लिए उपयोगी खबरों को आसान से आसान भाषा में रीडर्स तक पहुंचाना। अपने करियर के दो दशक लंबे सफर के दौरान, उनकी प्राथमिकता हमेशा सटीक खबर, फैक्ट पर आधारित, इन-डेपथ और नॉलेज से भरपूर कंटेंट रीडर्स तक पहुंचाना रही है। उनका मानना है कि कोई भी जानकारी यूजर तक बिना वेरिफाई किए नहीं जानी चाहिए, और यही कारण है कि वे हमेशा ऑथेंटिक सोर्स पर भी भरोसा करते हैं। यह सिद्धांत उन्हें फेक न्यूज और सनसनीखेज रिपोर्टिंग से दूर रखता है, जिससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ती है।

सकारात्मक प्रभाव और नजी शौक

अमति कुमारको हमेशा ऐसी स्टोरीज लिखना पसंद है, जिनका सकारात्मक प्रभाव हो। उनकी प्राथमिकता ऐसा कंटेंट लिखने की रहती है, जो लोगों के लिए मददगार साबित हो। सिर्फ खबरे लिखना ही नहीं, अमति कुमारको लिखने और पढ़ने के साथ-साथ घूमने का भी शौक है। उन्हें देश के छोटे-छोटे गांवों तक जाना, वहां की जीवनशैली से रूबरू होना खासतौर से पसंद है। यह शौक उन्हें जमीनी हकीकत को समझने और अपनी रिपोर्ट्स को अधिक प्रामाणिक बनाने में मदद करता है। ग्रामीण भारत की समस्याओं और संभावनाओं को वे अपनी आँखों से देखते हैं और उसे अपनी लेखनी के माध्यम से उजागर करते हैं। यह उनकी

पत्रकारिता को एक मानवीय स्पर्श देता है।

कुल मलािकर,अमति कुमारएक ऐसे पत्रकार है जिन्होंने अपने अनुभव, ईमानदारी और प्रतबिद्धता सेनवभारत टाइम्स डजिटिलऔर भारतीय पत्रकारिता जगत में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उनकी खबरे न केवल सूचना देती हैं, बल्कि पाठकों को सशक्त भी करती हैं। उनका सफर हमें यह सखाता है कि अच्छी पत्रकारिता सरिफ हेडलाइंस नहीं बनाती, बल्कि लोगों के जीवन को भी बेहतर बनाती है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न ()

अमति कुमार वर्तमान में नवभारत टाइम्स (डजिटिल) में अससिस्टेड एडिटर सीनियर जर्नलसिस्ट के पद पर कार्यरत हैं।

उनकी मुख्य वशिषज्जता सरकारी योजनाओं, बहिर-झारखंड और राजस्थान से संबंधति खबरो में है। वह इन वषियों पर तथ्यात्मक और आसान भाषा में जानकारी प्रदान करते हैं।

अमति कुमार के पास पत्रकारिता जगत में 20 साल से भी अधिक का व्यापक अनुभव है, जसिमें प्रटि और डजिटिल दोनों मीडिया शामिल हैं।

उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2010, क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011, अयोध्या राम मंदिर फैसला, लोकसभा और वधानसभा चुनाव, बजट और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जैसे कई बड़े राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय इवेंट्स कवर किए हैं।

:नवभारत टाइम्स ()